देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 291 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
चुनौतियां कम नहीं

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 1 मार्च 2025

मौसम अधिकतम 21.0° न्यूनतम 11.0°

82924.41

2 यूएनएससी में तत्काल हो सुधार

7 मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता

चमोली में एवलांच से भीषण तबाही

बर्फीले तूफान के कारण रुका रेस्क्यू, 25 लोग अब भी लापता

संवाददाता

देहरादून। देश के प्रथम गांव माणा के पास भारी बर्फबारी के बीच शुक्रवार सुबह कुबेर पर्वत से भारी हिमस्खलन हो गया। जिससे बीआरओ (सीमा सड़क संगठन) के 57 मजदूर इसकी चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि मजदूर वहां कंटेनर में सो रहे थे। इसी दौरान कंटेनर के ऊपर हिमस्खलन हो गया।

जानकारी के अनुसार, 32 मजदूरों को सेना और आईटीबीपी के जवानों द्वारा सुरक्षित बचा लिया गया है। जबकि 25 मजदूरों की ढूंढखोज की जा रही है। हालांकि अभी भारी बर्फबारी के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। बर्फबारी रुकने के बाद फिर से रेस्क्यू शुरू किया जाएगा।

पिछले दो साल से माणा गांव–माणा पास (50.987 किमी) हाईवे का सुधारीकरण और चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। जिसके लिए क्षेत्र में मजदूर रह रहे थे। ये मजदूर दिनभर हाईवे चौड़ीकरण कार्य करने के बाद रात्रि विश्राम के लिए माणा पास एंट्री गेट के पास स्थापित कंटेनर में पहुंच जाते हैं।

पिछले दो दिनों से बर्फबारी होने के कारण मजदूर इन्हीं कंटेनर में रह रहे थे। इनमें पौकलेंड, जेसीबी व अन्य मशीनों के ऑपरेटर भी रह रहे थे। शुक्रवार को सुबह करीब

कुछ मजदूर बदरीनाथ की ओर भाग गए, जबकि कुछ कंटेनर के अंदर ही फंस गए। हिमस्खलन की सूचना मिलने पर माणा गांव में कैंप में रह रहे आईटीबीपी और सेना के जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने बर्फबारी के बीच ही मजदूरों को बचाने का रेस्क्यू शुरू किया।

चमोली के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदकिशोर जोशी ने बताया कि बदरीनाथ हाईवे पर जमी बर्फ को हटाने के लिए बीआरओ की जेसीबी लगाई गई है। क्षेत्र में लगातार बर्फबारी होने और कोहरा लगने से रेस्क्यू कार्य बाधित हो रहा है। बदरीनाथ हाईवे से पैदल ही एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आपदा और पुलिस की टीमें माणा गांव के लिए रवाना हो गई हैं।

राज्य आपातकालीन केंद्र द्वारा शुक्रवार को उत्तराखंड के कई पहाड़ी इलाकों में भारी बर्फबारी व एवलांच की चेतावनी जारी की गई थी।

सीएम धामी ने घटना पर जताया दुख

घटना पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि जनपद चमोली में माणा गांव के निकट बीआरओ द्वारा संचालित निर्माण कार्य के दौरान हिमस्खलन की वजह से कई मजदूरों के दबने का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। आईटीबीपी, बीआरओ और अन्य बचाव दलों द्वारा राहत एवं बचाव कार्य संचालित किया जा रहा है। भगवान बदरी विशाल से सभी श्रमिक भाइयों के सुरक्षित होने की प्रार्थना करता हूं। गृहमंत्री अमित शाह ने घटना पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के चमोली में ग्लेशियर फटने के संदर्भ में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, डीजी आईटीबीपी और डीजी एनडीआरएफ से बात की।

आईआरएस से जुड़े अधिकारी अलर्ट पर

चमोली जनपद में हो रही बारिश और बर्फबारी को देखते हुए जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने आईआरएस से जुड़े अधिकारियों को अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। चमोली जिले में पर्यटन स्थल औली सहित चोटियों में बर्फबारी व निचले स्थानों में बारिश हुई है। जिससे ठंड बढ़ गई हैं। सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला था दोपहर बाद बारिश शुरू हुई जो रात्रि तक जारी रहीं, विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल औली सहित बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब के साथ नीति, माणा व मंडल घाटी की पहाड़ियों में बर्फबारी हुई है। जिले में 10 से अधिक गांव भी बर्फबारी प्रभावित हैं हालांकि अभी सड़कें सुचारू हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारत जैसा कोई दूसरा देश ही नहीं: उपराष्ट्रपति

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज

कोलकाता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को कहा कि भारत की नींव सनातन धर्म में निहित है। धनखड़ ने कहा कि भारत अहिंसा, शांति और भाईचारे के सिद्धांतों के कारण सदियों से दुनिया के लिए मार्गदर्शक शक्ति रहा है और भविष्य में विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उपराष्ट्रपति कोलकाता में गौड़ीय मिशन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की 150वीं जयंती के समापन समारोह में यहां साइंस सिटी में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करते हुए संबोधित कर रहे थे।

संभल शाही जामा मस्जिद की रंगाई–पुताई नहीं होगी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज संभल। यूपी के संभल में विवादित धर्मस्थल शाही जामा मस्जिद की रंगाई–पुताई नहीं होगी। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। एएसआई की टीम को केवल सर्वेक्षण और सफाई करने की अनुमति है। कोर्ट के निर्देश पर 3 सदस्यीय टीम मस्जिद के सर्वे के लिए पहुंची थी।

जो कार्मिक दायित्वों का निर्वहन नहीं करते उनकी सेवानिवृति नियमानुसार करें

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे कार्मिक को चिह्नित किया जाए जो अपने दायित्वों का निर्वहन भली भांति नहीं करते हैं। ऐसे कर्मियों को अनिवार्य सेवानिवृति के लिए नियमानुसार कार्यवाही की जाए। प्रदेश में सरकारी भूमि और कई मामलों में लोगों की व्यक्तिगत भूमि पर कब्जा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। विभिन्न अपराधों में लिप्त वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

पुलिस द्वारा राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में नियमित सघन चौकिंग की जाए। एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराधियों की सूची बनाकर नशे के कारोबार में लिप्त लोगों पर कड़ी करवाई की जाय।

मुख्यमंत्री ने डीजीपी को निर्देश दिए कि राज्य में यातायात प्रबंधन की दिशा में विशेष प्रयास किए जाएं। यह सुनिश्चित किया जाए कि ट्रैफिक जाम से लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो। पुलिस को रात्रि कालीन गश्त बढ़ाने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य के युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में और प्रयास किए जाएं। इलेक्ट्रिशियन, कारपेंटर, बार्बर, प्लंबर जैसे क्षेत्रों में स्थानीय लोगों के प्रशिक्षण और कौशल विकास की दिशा में कार्य किए जाएं।

बैठक में सचिव गृह शैलेश बगोली, डीजीपी दीपम सेठ, सचिव एवं गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय, अपर पुलिस महानिदेशक ए. पी. अंशुमान, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

मिलावटखोरों और बिजली चोरी करने वालों पर करें सख्त करवाई

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों के सीजन के दृष्टिगत खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी को रोकने और बिजली चोरी को रोकने के लिए सघन अभियान चलाया जाए। मिलावटखोरों और बिजली चोरी करने वालों पर सख्त करवाई भी की जाय। ड्रग्स फ्री उत्तराखंड के लिए सभी संबंधित विभागों द्वारा निरंतर अभियान चलाए जाय।

शराब के बाद सेहत पर भी घिरे केजरीवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में शुक्रवार को भाजपा की सरकार ने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट पेश की, जिसमें कई तरह की खामियों को उजागर किया है। दिल्ली के स्वास्थ्य ढांचे पर आई सीएजी की रिपोर्ट में आम आदमी पार्टी सरकार के दौरान फंड के कम इस्तेमाल और कोरोना महामारी के कुप्रबंधन को उजागर किया गया है। इससे पहले शराब को लेकर आई सीएजी रिपोर्ट पर भी अरविंद केजरीवाल को घेरा जा रहा है अब भाजपा को आक्रमकता का एक और मौका मिल गया है।

255 पन्नों की इस रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं में कई गंभीर खामियां हैं, जिनमें स्टाफ की कमी, दवाओं की अनुपलब्धता, अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाएं और वित्तीय कुप्रबंधन शामिल हैं। इसमें मोहल्ला क्लीनिक में भी कई तरह की अव्यवस्था का ब्योरा दिया गया है। कैग रिपोर्ट के मुताबिक आम आदमी पार्टी की सरकार को कोरोना महामारी के दौरान केंद्र सरकार ने 787.91 करोड़ रुपए उपलब्ध कराए गए, जिसमें से 582.84 करोड़ रुपए ही खर्च किए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि आप सरकार के दौरान केवल 3 नए अस्पताल बनाए जा सके और इन पर टेंडर राशि के मुकाबले कहीं अधिक खर्च हुआ।

कैग रिपोर्ट

■दिल्ली के स्वास्थ्य ढांचे पर विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट पेश

असलियत उजागर कर दी है: सीएम

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सीएजी की रिपोर्ट विधानसभा में पेश करने के बाद एक्स पर लिखा कि इसने केजरीवाल सरकार की असलियत को उजागर किया है। इस रिपोर्ट ने न केवल केजरीवाल सरकार की असलियत को उजागर किया है, बल्कि दिल्लीवासियों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को भी बेनकाब कर दिया है।

हर साल भारत को बनाने होंगे 40 लड़ाकू विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने रक्षा विनिर्माण के लिए स्वदेशी क्षमताओं को विकसित करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि भारत में हर साल कम से कम 35–40 सैन्य विमानों के निर्माण की आवश्यकता है और इस लक्ष्य को पूरा करना असंभव नहीं है।

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि

■वायुसेना चीफ बोले- पीछे मुड़कर नहीं देख सकते

भारतीय वायुसेना स्वदेशी प्रणाली को प्राथमिकता देगी, भले ही वह थोड़ा कम प्रदर्शन करे। शुक्रवार को यहां भारत 2047: युद्ध में आत्मनिर्भरश विषय पर आयोजित चाणक्य डायलॉग्स कॉन्क्लेव में वायुसेना प्रमुख ने कहा कि वायुसेना की पहली प्राथमिकता ऐसे सैन्य विमानों का निर्माण करना है जो स्वदेशी हो।

वायुसेना प्रमुख ने जोर देते हुए कहा कि इस बात को लेकर मेरा दृष्टिकोण पूरी तरह से स्पष्ट है और मैं बिल्कुल आश्वस्त हूं कि भले ही स्वदेशी प्रणाली का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम हो। अगर यह विश्व बाजार में उपलब्ध प्रणाली का 90 प्रतिशत या 85 प्रतिशत हो तो भी हम स्वदेशी प्रणाली पर ही जोर देंगे।

न्यूज डायरी

अमेरिका ने 2 दशक बाद ब्रिटेन में तैनात किया परमाणु बम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। अमेरिका ने एक बार फिर से नाटो सदस्य देश ब्रिटेन के अंदर अपना महाविनाशक परमाणु बम तैनात कर दिया है। बताया जा रहा है कि ब्रिटेन की वायुसेना के लाकेनहेथ एयरबेस पर यह अमेरिकी परमाणु बम रखा गया है। इस बम को रखने के लिए नए रक्षात्मक शेल्टर बनाए गए हैं। अमेरिका ने करीब दो दशक के बाद ब्रिटेन के इस एयरबेस पर फिर से परमाणु बम को तैनात किया है। अमेरिका ने यह कदम ऐसे समय पर उठाया है जब नाटो देश अमेरिका से इतर एक परमाणु छतरी बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। इन यूरोपीय देशों को डर सता रहा है कि अमेरिका परमाणु शेयरिंग प्रोग्राम से पीछे हट सकता है या फिर उसे खत्म कर सकता है। अमेरिका के इस कदम का उद्देश्य क्या है, यह अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिका के परमाणु वैज्ञानिकों के संघ ने ब्रिटेन में अमेरिकी परमाणु बम तैनात करने का खुलासा किया है। हाल ही में बहुत से ड्रोन विमान इस इलाके में गश्त लगा रहे थे जिसके बाद यह एयरबेस चर्चा में आया। अमेरिकी परमाणु वैज्ञानिकों ने कहा कि अभी तक जनता में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है कि इस ब्रिटिश बेस पर परमाणु बम को तैनात किया गया है। बताया जा रहा है कि 33 एयरक्राफ्ट शेल्टर में से 28 को अपग्रेड कर दिया गया है। यही नहीं 6 नए शेल्टर का निर्माण किया जा रहा है। ब्रिटेन के अखबार टेलिग्राफ ने खुलासा किया था कि रूस से निपटने के लिए अमेरिका ब्रिटेन के अंदर परमाणु बम तैनात कर रहा है।

तालिबानी सेना की अमेरिकी राष्ट्रपति को खुली चुनौती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान की तालिबान के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने साफ कर दिया है कि वह अमेरिका के हथियार नहीं लौटाएंगे। तालिबान ने डोनाल्ड ट्रंप को धमकीभरे अंदाज में कहा है कि अगर उनमें हिम्मत है तो आकर हथियार ले जाएं। तालिबान की ये प्रतिक्रिया डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी पर आई है, जिसमें उन्होंने अमेरिका सेना के अफगानिस्तान में छूटे हथियारों को वापस लाने की बात कही है। साल 2021 में तालिबान के काबुल की तरफ बढ़ने के बाद अमेरिकी सेना ने अफगानिस्तान छोड़ दिया था। इस दौरान बड़ी संख्या में अमेरिकी हथियार अफगानिस्तान की जमीन पर छूट गए थे। ट्रंप ने इस साल जनवरी में दोबारा अमेरिका की सत्ता संभालने के बाद इन हथियारों की वापसी की बात कही है, जिस पर तालिबान भड़का हुआ है। अफगानिस्तान मीडिया के मुताबिक सेना प्रमुख कारी फसीहुद्दीन फितरत ने ट्रंप को जवाब देते हुए कहा, अगर आपमें हिम्मत है तो अफगानिस्तान आइए और आकर अपने हथियार वापस ले जाइए। फसीहुद्दीन से पहले अफगान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद भी इसी तरह की चुनौती डोनाल्ड ट्रंप को दे चुके हैं। मुजाहिद ने कहा था कि ये हथियार अब अफगानिस्तान के हैं। ये हमने युद्ध में जीते हैं, ऐसे में ये हमारी संपत्ति है। इससे साफ है कि तालिबान का अमेरिका को हथियार वापस करने का कोई इरादा नहीं है।

अब अमेरिकानो अब कैनेडियानो कहें, कनाडा में कॉफी का नाम बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। आपने कई बार जगहों के नाम किसी विवाद के चलते बदलते देखे होंगे। क्या कभी कॉफी का नाम किसी विवाद के चलते बदलते देखा? अब कनाडा में कॉफी का नाम बदलने की बात सामने आई है। कनाडा और अमेरिका के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही देश भर में बढ़ती संख्या में कैफे कॉफी के नाम बदल रहे हैं। कनाडाई कॉफी शॉप अचानक नाम क्यों बदल रहे हैं। कनाडा के कॉफी शॉप में एस्प्रेसो शॉट और पानी से बनी कॉफी अमेरिकानो को अब श्कैनेडियानोश के रूप में परोसा जा रहा है। साथ में ये भी मैसेज दिया जा रहा है कि... सॉरी अमेरिकानो नहीं कैनेडियानो कहें। अमेरिकानो का नाम बदलने की मुहिम ब्रिटिश कोलंबिया स्थित कॉफी कंपनी किकिंग हॉर्स कॉफी के एक इंस्टाग्राम पोस्ट से शुरू हुई, जिसे अब डिलीट किया जा चुका है। कंपनी ने देश के सभी कैफे को ऐसा नाम अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कंपनी ने कहा कि ये देशभक्ति को दर्शाता है, जिसके बाद पूरे कनाडा में रीब्रांडेड मेन्यू की लहर चल पड़ी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल हो सुधार

भारत ने सदस्यों को लगाई कड़ी फटकार, चीन को भी सुनाया

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

न्यूयॉर्क। भारत ने यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल के सहायक बॉडीज के कामकाज के तरीकों में तत्काल सुधार का आह्वान किया है। भारत ने न्छैब् के निकायों में ज्यादा पारदर्शिता लाने का आग्रह किया है। भारत ने आतंकवादी संस्थाओं को ब्लैक लिस्ट में डालने के प्रस्तावों को अस्वीकार करने या रोकने के फैसलों के बारे में बरती जाने वाली गोपनीयता की आलोचना की है। यूनाइटेड नेशंस में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पी हरीश ने इस प्रथा को ष्छिपा हुए वीटोष् बताया है। उन्होंने तत्काल इसमें सुधार लाने का आह्वान किया है।

आपको बता दें कि कई मौकों पर यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल के स्थायी सदस्य चीन ने पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों को बचाने के लिए वीटो का इस्तेमाल किया है। चीन ने पाकिस्तानी आतंकवादियों को ब्लैक लिस्ट में डालने से बचाया है। जिसने भारत को काफी परेशान किया है और भारत लगातार चीन की इन कोशिशों की आलोचना करता रहा है।

इंटर गवर्नमेंट निगोशिएसन के पूर्ण अधिवेशन – कार्य पद्धतियों पर क्लस्टर बहस में बोलते हुए भारत के दूत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और इसकी कार्य पद्धति में तत्काल सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। आपको बता दें कि यूएनएससी में 15 सदस्य होते हैं, जिनमें से पांच स्थायी सदस्य (चीन, अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन) हैं, जबकि 10 अस्थाई सदस्य होते हैं। अस्थाई सदस्यों का चयन दो–दो सालों के लिए किया जाता है।

भारत के एबेंसडर हरीश ने कहा, कि इस चैंबर में सुधारों की मांग जोरदार और साफ है। यह आह्वान ऐसे समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब दुनिया संयुक्त राष्ट्र की क्षमता पर आशंका जता रही है, कि वह दुनिया के विभिन्न हिस्सों में मानवता के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर सार्थक हस्तक्षेप कर सके, खासकर शांति और सुरक्षा के क्षेत्र में, जो परिषद का मुख्य जनादेश बना हुआ है। उन्होंने कहा, जबकि लिस्टिंग पर फैसला सार्वजनिक किए जाते हैं, लेकिन लिस्टिंग अनुरोधों को अस्वीकार करने या तकनीकी रोक लगाने से संबंधित जानकारी कुछ चुनिंदा लोगों के पास ही होते हैं।

भारत ने यूनाइटेड नेशंस सिक्योरिटी काउंसिल की 1267 अलकायदा प्रतिबंध समिति की निर्णय लेने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी पर बार–बार चिंता जताई है। भारत ने बार बार आरोप लगाया है कि वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकवादियों के लिए वास्तविक, साक्ष्य–आधारित सूची प्रस्तावों को बिना किसी कारण के रोक दिया जाता है।

अमेरिका के टैरिफ पर कनाडा का जवाब भी कड़ा होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज ओटावा। कनाडा के निवर्तमान प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि अमेरिका उनके देश पर टैरिफ लगाएगा तो उसका जवाब दिया जाएगा। ट्रूडो ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि कनाडा तत्काल और कड़ी प्रतिक्रिया देगा। ट्रूडो का यह बयान दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापारिक तनाव को दिखाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि कनाडा से अमेरिका में लगातार अवैध नशीली दवाएं आ रही हैं। ट्रंप ने 4 मार्च से कनाडा देशों पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, जिस पर अब ट्रूडो का जवाब आया है।

जस्टिन ट्रूडो ने कहा, कनाडा यह सुनिश्चित करने पर ध्यान दे रहा है कि मंगलवार और उसके बाद के हफ्तों में कनाडा पर कोई टैरिफ ना लगे। हम इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। अगर कनाडा पर अनुचित टैरिफ लगाए जाते हैं तो हमारी कड़ी प्रतिक्रिया होगी, जिसकी कनाडावासी उम्मीद भी करते हैं। ट्रूडो ने कहा कि अमेरिका में फैले फेंटेनाइल संकट के कारण ट्रंप टैरिफ लगाने की बात कर रहे हैं लेकिन वहां पहुंचने वाले फेंटेनाइल का एक प्रतिशत से भी कम कनाडा से जाता है। ट्रंप को समझना चाहिए कि कि अमेरिका की समस्याओं की वजह कनाडा नहीं है।

ट्रंप ने ब्रिटेन के पीएम को दिन में दिखाए तारे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन। यूक्रेन पर अमेरिका की बदली विदेश नीति ने यूरोपीय देशों के पैरों तले जमीन खिसका दी है। डोनाल्ड ट्रंप के शांति प्रस्ताव से यूक्रेन का अपाहिज होना तय है। वहीं यूरोपीय नेता लगातार डोनाल्ड ट्रंप को मनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ट्रंप उन्हें भाव देने के मूड में नहीं है। वाइट हाउस में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने जब यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी मांगी तो डोनाल्ड ट्रंप ने उनसे दो टूक लहजे में पूछा, कि क्या आप अकेले रूस को हरा पाएंगे? मीडिया के साथ बातचीत के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के आक्रमण का मुकाबले करने की ब्रिटेन की क्षमता पर सवाल उठाते हुए ब्रिटिश प्रधानमंत्री को दिन में तारे दिखा दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लिए अमेरिका के सुरक्षा सहयोग मांगने की बात को पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया।

अमेरिका से अवैध प्रवासी लेकर रावलपिंडी पहुंची फ्लाइट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■भारत के बाद पाकिस्तान पर चला ट्रंप का डंडा.

इस्लामाबाद। अमेरिका ने भारत, कोलंबिया, मेक्सिको जैसे देशों के बाद पाकिस्तान के अवैध प्रवासियों को भी वापस भेजना शुरू कर दिया है। इस गुरुवार को अमेरिका से अवैध प्रवासियों को लेकर पहली फ्लाइट पाकिस्तान पहुंची। अमेरिका से उड़ान 26 फरवरी को रवाना हुई और 27 फरवरी को रावलपिंडी के नूर खान एयरबेस पर उतरी। इस फ्लाइट में कम से कम आठ पाकिस्तानी नागरिक आए हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भी इसकी पुष्टि की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता संभालने के बाद अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहे दूसरे देशों के नागरिकों को निकालने की बात कही है। इसके लिए ट्रंप प्रशासन विशेष अभियान चला रहा है। अमेरिकी सरकार का कहना है कि अवैध प्रवास रोकने और ऐसा करने का इरादा रखने वालों को हतोत्साहित करने के लिए ये फ्लाइट चलाई जा रही हैं।

अमेरिका में पाकिस्तान के लोगों की बड़ी संख्या है, हालांकि वहां अवैध तरीके से रह रहे पाक नागरिकों की संख्या बहुत बड़ी नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के 6,80,000 से ज्यादा लोग पाकिस्तान में है। साल 2022 में अमेरिका में 7,000 से 15,000 के बीच गैरकानूनी पाकिस्तानी प्रवासी थे। इस संख्या में अभी तक बहुत बड़ा अंतर आने की उम्मीद नहीं की जा रही है। इसके बावजूद आने वाले वक्त में अमेरिका से पाकिस्तान के लिए और उड़ाने देखने को मिल सकती हैं। अमेरिका ने कई देशों को निर्वासन फ्लाइट भेजी हैं लेकिन पाकिस्तान के लिए यह पहली उड़ान है। इससे पहले पाकिस्तानी नागरिकों को अमेरिका दूसरे देशों के रास्ते निर्वासित किया जाता था। हालांकि ये प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती थी। दोनों देशों के बीच सीधी फ्लाइट चलने से निर्वासन प्रक्रिया तेज हो जाएगी।अमेरिकी अफसरों ने कहा है कि पाकिस्तानी अधिकारियों ने निर्वासित किए जाने वाले व्यक्तियों की राष्ट्रीयता की पुष्टि करने में सहयोग किया है।

ईद पर न खरीदें भेड़, दावत और कुर्बानी से बचें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रबात। उत्तर अफ्रीकी देश मोरक्को भेड़ों की कमी से जूझ रहा है। 29 वर्षों में पहली बार मोरक्को में लोगों से छुट्टियों में दावत न करने की सलाह दी गई गई। भेड़ों की कमी की वजह से मोरक्को के राजा मोहम्मद ने परंपरा से हटकर लोगों से ईद–उल–अजहा पर भेड़ नहीं खरीदने की अपील की है। इस्लामी मामलों के मंत्री अहमद तौफीक ने कहा कि आर्थिक और जलवायु संबंधी चुनौतियों के कारण मोरक्को के लोग कुर्बानी और भोज से वंचित हैं। महंगाई की वजह से लोगों से कुर्बानी और दावत से बचने की भी सलाह दी गई है। सरकारी अल औला टेलीविजन पर मंत्री अहमद तौफीक ने राजा का पत्र पढ़ा। इसमें कहा गया कि पशुधन की कमी की वजह से देश में भेड़ों की कीमतें आसमान छू रही हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रशासन है मुस्तैद

मॉक ड्रिल

मॉक ड्रिल में सभी विभागों ने मिलकर किया काम

नौला पानी में भूस्खलन की आपात स्थिति को लेकर कराया मॉक ड्रिल

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जिला रुद्रप्रयाग में भूकंप एवं भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान प्रशासन की तत्परता एवं कार्य कुशलता के संबंध में आज शुक्रवार को जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों ने परस्पर समन्वय एवं तत्परता के साथ कार्य किया।

इस क्रम में, जिला आपदा कंट्रोल रूम को प्रातः 10:55 बजे एक स्थानीय व्यक्ति द्वारा सूचना दी गई कि भूकंप के कारण बस अड्डे में स्थित कुछ दुकानें धराशायी हो गई हैं। इसके अतिरिक्त, नौला पानी क्षेत्र में भूस्खलन के चलते 10 से 15 मजदूरों के दबे होने की आशंका व्यक्त की गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए आपदा प्रबंधन की टीमें तत्काल घटना स्थलों के लिए रवाना हुईं और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को त्वरित प्राथमिक उपचार प्रदान करते हुए उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने जानकारी दी कि श्रीनगर के समीप सुपाणा गांव में रिक्टर स्केल पर 4.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। सूचना प्राप्त होते ही प्रशासन ने तुरंत एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, और अन्य बचाव दलों की मदद से राहत कार्य शुरू किया और घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जिला मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभी तक 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और 3 अन्य को मामूली चोटें आई हैं। वहीं 4 लोगों की दुखद मृत्यु हो गई है।

वहीं दूसरी ओर, नौला पानी के समीप भूस्खलन के कारण 10 से 15 मजदूरों के मलबे में दबे होने की सूचना प्राप्त हुई। जिला आपदा प्रबंधन की टीम ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव एवं राहत कार्य प्रांरभ किया। इस हादसे में 4 लोग गंभीर रूप से घायल हुए और 7 अन्य को मामूली चोटें आईं। वहीं में 2 मजदूरों की मृत्यु हो गई। बचाव दल ने घायलों को निकालकर सीएचसी अगस्त्यमुनि पहुंचाया, जबकि गंभीर रूप से घायलों को माधवाश्रम चिकित्सालय, कोटेश्वर रेफर किया गया।

अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा ने बताया कि यह पूरी घटना जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक मॉक ड्रिल का हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य आपदा प्रबंधन की तैयारियों का आंकलन करना था। इस अभ्यास में जिला प्रशासन, पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ, स्वास्थ्य विभाग, पूर्ति विभाग सहित अन्य एजेंसियों की समन्वय क्षमता और त्वरित प्रतिक्रिया की परख की गई। उन्होंने बताया कि सभी विभागों ने अपने दायित्वों को कुशलता से निभाया और भविष्य में भी इसी प्रकार की मॉक ड्रिल आयोजित की जाएंगी ताकि आपदा प्रबंधन की तत्परता और दक्षता को और अधिक मजबूत किया जा सके।

न्यूज डायरी

जिला उद्यान अधिकारी ग्राम पंचायत मरोड़ा में ग्रामीणों के साथ करेंगे बैठक

संवाददाता रुद्रप्रयाग। सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत जिला उद्यान अधिकारी विकास खंड अगस्त्यमुनि की ग्राम पंचायत मरोड़ा में ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे। साथ ही गांव का स्थलीय निरीक्षण करते हुए विभिन्न योजनाओं का सत्यापन करेंगे। जिला उद्यान अधिकारी वीरेंद्र सिंह नेगी ने जानकारी देते हुए बताया कि सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत उनके द्वारा आगामी 04 मार्च को मरोड़ा गांव में ग्रामीणों के साथ बैठक आयोजित की जाएगी। इसके साथ ही स्थलीय निरीक्षण कर विभिन्न योजनाओं का सत्यापन किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि अधिकारी उनके अधीनस्थ कर्मचारियों को विभागीय अद्यतन सूचनाओं सहित निर्धारित तिथि को अपराह्न 12 बजे ग्राम मरोड़ा में उपस्थित होने हेतु निर्देशित करें।

गुलदार को पकड़ने के लिए सघन अभियान जारी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जखोली ब्लॉक के अंतर्गत गुलदार प्रभावित क्षेत्र में सक्रिय गुलदार को पकड़ने के लिए रूद्रप्रयाग वन विभाग की आर. आर. टी. टीम के द्वारा सघन खोजी अभियान लगातार जारी है। विभागीय स्तर पर गुलदार को पकड़नेध्नष्ट करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। वन विभाग की 32 सदस्यीय टीम द्वारा गुलदार एवं संबंधित गतिविधियों की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है। उप प्रभागीय वनाधिकारी जखोली डॉ. दिवाकर पंत एवं उप प्रभागीय वनाधिकारी रुद्रप्रयाग देवेंद्र पुंडीर ने बताया कि वन विभाग द्वारा ड्रोन के माध्यम से भी गुलदार को खोजने का प्रयास किया जा रहा है, हालांकि खराब मौसम तथा बारिश इस अभियान में बाधा बन रहा है। वन विभाग कैमरा ट्रैप तथा हाई डेंसिटी कैमरा के द्वारा भी गुलदार की गतिविधियों पर नजर रख रहा है। प्रभावित क्षेत्र में वन विभाग द्वारा 2 पिंजरे भी लगाए गए हैं।

स्टार हेल्थ इंश्योरेंस ने पूरे भारत में 100 स्थानों तक अपना विस्तार किया

संवाददाता देहरादून। भारत की सबसे बड़ी खुदरा स्वास्थ्य बीमा कंपनी, स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (स्टार हेल्थ इंश्योरेंस), भारत भर में 100 स्थानों पर अपनी एचएचसी पहल का विस्तार करके देश की सबसे बड़ी होम हेल्थ केयर (एचएचसी) प्रदाता बन गई है। जुलाई 2023 में शुरू किया गया यह कार्यक्रम अब स्टार हेल्थ इंश्योरेंस के 85 प्रतिशत से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है, जो बिना किसी जेब खर्च के 3 घंटे के भीतर कैशलेस डोरस्टेप मेडिकल केयर प्रदान करता है। भारत में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच, उपलब्धता और सामर्थ्य में सुधार करता है।

पोखरी रोड पर दो वाहनों की सीधी टक्कर, 08 व्यक्ति घायल

- फरीदाबाद (हरियाणा) के रहने वाले हैं चार घायल व्यक्ति
- अन्य चार सतेराखाल रुद्रप्रयाग के निवासी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। पोखरी रोड पर कलेक्ट्रेट के समीप आज शुक्रवार दोपहर दो वाहनों की आमने–सामने टक्कर हो गई, जिसमें 08 व्यक्ति घायल हो गए। घायल व्यक्तियों को तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने उक्त घटना की जानकारी देते हुए बताया कि आपदा कंट्रोल रूम को दोपहर 2:15 बजे इस घटना की सूचना प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद जिला मुख्यालय से डीडीआरएफ टीम मौके पर पहुँची। घायल व्यक्तियों को प्राथमिक उपचार के बाद एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भेजा गया। उन्होंने जानकारी दी कि रुद्रप्रयाग से चोपता की ओर जा रहा वाहन (एचआर 51सीई 9311) तथा चोपता से रुद्रप्रयाग की ओर आ रहा वाहन (यूके 13टी 1303) आपस में टकरा गए। इस दुर्घटना में गौरव रावत पुत्र लक्ष्मण सिंह रावत उम्र–32 वर्ष मीनाक्षी पत्नी गौरव उम्र–31 वर्ष, ऋषभ रावत पुत्र लक्ष्मण सिंह उम्र–30 वर्ष, शिवांस रावत पुत्र गौरव रावत उम्र– 04 वर्ष निवासी फरीदाबाद, शिशपाल सिंह पुत्र बचन सिंह उम्र–70 वर्ष, राजवीर सिंह पुत्र शिवराज सिंह, मीनाक्षी उम्र–40 वर्ष निवासी तथा अभिका पुत्री जितेंद्र सिंह उम्र– 05 वर्ष निवासी सतेराखाल घायल हो गए, जिन्हें तुरंत अस्पताल पहुँचाया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उनका ईलाज कर रही है।

चमोली में 626 दम्पति का यूसीसी में हुआ पंजीकरण

संवाददाता चमोली। समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पंजीकरण कार्य की प्रगति को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जनपद में विवाह पंजीकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागाध्यक्षों को पंजीकरण प्रक्रिया तेजी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने रजिस्ट्रार व सब रजिस्ट्रार को भी प्राप्त आवेदनों को निर्धारित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में ई डिस्ट्रिक्ट मैनेजर जयवीर सिंह ने बताया कि जनपद में वर्तमान तक जिले में 799 दम्पति ने विवाह पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। जिसके सापेक्ष वर्तमान तक 626 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। जनपद में सब रजिस्ट्रार स्तर पर 108 आवेदनों का परीक्षण किया जा रहा है। जबकि जनपद में 45 आवेदन निरस्त किए गए हैं तथा 7 आवेदन ऑटो अपील में हैं। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

योग महोत्सव के जरिए स्वस्थ जीवनशैली का दिया जाएगा संदेश

ऋषिकेश में आज से 07 मार्च के बीच होगा अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव

संवाददाता

देहरादून। ऋषिकेश में आयोजित होने जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के जरिए योग साधकों और प्रशिक्षकों को स्वस्थ जीवनशैली का भी संदेश मिलेगा। आयोजन के दौरान योगिक डाइट उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही वैलनेस पर भी विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

गढ़वाल मण्डल विकास निगम और पर्यटन विभाग द्वारा, गंगा रिसोर्ट ऋषिकेश में 01 से 07 मार्च के बीच अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जीएमवीएन के एमडी विशाल मिश्रा ने बताया कि योग महोत्सव के अवसर पर प्रतिभागियों के लिए शुद्ध, स्वास्थ्यवर्धक और संतुलित यौगिक भोजन की विशेष व्यवस्था की गई है। यह विशेष आहार योजना योग और आध्यात्मिकता को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जिससे प्रतिभागियों को शारीरिक और मानसिक ऊर्जा प्राप्त हो सके।

महोत्सव के दौरान नाश्ता, दोपहर एवं रात्रि भोजन में संतुलित और पौष्टिक आहार परोसा जाएगा, जिसमें मक्खन–दूध, अंकुरित अनाज, दलिया, परांठे, दाल–चावल, हरी सब्जियां, फल, हर्बल चाय, और पारंपरिक मिठाइयाँ शामिल हैं। यह संपूर्ण आहार शरीर को ऊर्जावान बनाए रखने में सहायक होगा और योग साधना में बेहतर परिणाम देने में मदद करेगा।

उन्होंने बताया कि योग महोत्सव में आने वाले सभी प्रतिभागियों को इस सात्विक और पोषक आहार का लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। आयोजकों ने यह सुनिश्चित किया है कि भोजन न केवल स्वादिष्ट हो, बल्कि सुपाच्य और स्वास्थ्यवर्धक भी हो, जिससे सभी को सकारात्मक ऊर्जा और शारीरिक स्फूर्ति प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उदघ्घाटन के मौके पर ही मोटापा के प्रति हम सबको सचेत किया है। मोटापा कम करने में योगाभ्यास और योगिक डाइट महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव में इस दिशा में अहम पड़ाव साबित होगा।

प्रधानमंत्री आवास–ग्रामीण सूची में नाम दर्ज कराना हुआ आसान

संवाददाता रुद्रप्रयाग। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास प्लस सर्वे–2024 के अंतर्गत भारत सरकार के साथ ही शासन के निर्देशों के क्रम में आवास प्लस सूची में नए पात्र परिवारों को नाम जोड़ने हेतु जनपद के सभी विकास खण्डों की समस्त ग्राम पंचायतों में आवास प्लस 2024 मोबाइल ऐप के माध्यम से सर्वे कार्य गतिमान है। जिसके लिए विकास खण्ड द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में सर्वेयर की तैनाती कर उनके द्वारा सर्वे कार्य किया जा रहा है। परियोजना अधिकारी विमल कुमार ने जनपद के पात्र व्यक्तियों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत आवास प्लस सर्वे 2024 की प्रतीक्षा सूची में पात्र परिवारों का नाम जोड़ने संबंधित जानकारी के लिए कार्यालय में स्थापित हेल्पलाइन मो.न. 8923582563 पर किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे से सांय 6 बजे तक संपर्क किया जा सकता है।

चुनौतियां कम नहीं

सिविल एविएशन की नियामक संस्था डीजीसीए ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल एयर इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन ध्यान रहे, डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टिव में यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा जो सर्विस के लायक न हो।

रहीस सिंह।।

एयर इंडिया की सर्विस एक बार फिर विवादों में है। इस बार विवाद कुछ ज्यादा बढ़ा हुआ दिख रहा है तो उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह है कि अबकी सवाल मौजूदा सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री की ओर से उठाए गए हैं। लेकिन इस सारे हो–हल्ले का हासिल क्या होगा, यह अभी नहीं कहा जा सकता।

इस बार मंत्री जी ने एक यात्री के तौर पर अपने जो अनुभव बताए, वैसे अनुभव एयर इंडिया के विमानों से यात्रा करने वाले लोग जब–तब जाहिर करते रहे हैं। कभी सीट गड़बड़ होती है तो कभी कचरा फैला दिखता है और कभी फ्लाइट में देरी के चलते यात्रियों की सारी कैलकुलेशन बिगड़ जाती है। उन्हें अच्छा–खासा नुकसान झेलना पड़ता है।

सिविल एविएशन की नियामक संस्था डीजीसीए ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल एयर इंडिया को नोटिस भेज दिया। लेकिन ध्यान रहे, डीजीसीए की ओर से 2022 में जारी डायरेक्टिव में यह यह स्पष्ट तौर पर कहा जा चुका है कि एयरलाइन कोई ऐसी सीट नहीं बेचेगा जो सर्विस के लायक न हो। खबरों के मुताबिक क्रू मेंबर्स ने मैनेजमेंट को खराब सीटों के बारे में जानकारी भी दे दी थी। इसके बावजूद उन सीटों के लिए टिकट बुक की गई। इससे ऐसा लगता है कि मामला किसी गफलत या लापरवाही का नहीं, मैनेजमेंट की पॉलिसी और यात्रियों की सुविधाओं को दी जाने वाली अहमियत से जुड़ा है।

बहस का एक सिरा पब्लिक सेक्टर की बदइंजतामी के बरक्स निजी क्षेत्र की कुशलता से भी जुड़ता है। यह आम मान्यता रही है कि पब्लिक सेक्टर की इस कंपनी को प्राइवेट हाथों में अच्छे दिन नसीब होंगे। मगर पिछले तीन साल का अनुभव बताता है कि सिर्फ पब्लिक से प्राइवेट में आ जाने भर से किसी कंपनी की बेहतरी सुनिश्चित नहीं हो जाती।

यह भी समझना होगा कि एयर इंडिया जैसी किसी कंपनी का कायापलट करना और उसे कुशलता का दूसरा नाम बनाना कोई आसान काम नहीं है। मौजूदा मामला विमानों के रखरखाव और मरम्मत से जुड़ा है। जानकार बताते हैं कि एयर इंडिया के पुराने विमानों की रिपेयरिंग में देर सप्लाई चेन से जुड़ी बाधाओं के चलते हो रही है। बहरहाल, इन चुनौतियों को यात्रियों की तकलीफों के बचाव के तौर पर इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। देखना होगा कि एयरलाइन ऐसी घटनाएं दोबारा न होने देने के अपने वादे पर कितना खरा उतरता है।

कालसर्प दोष

अशोक वोहरा। नागपंचमी, श्रावण मास व शिवरात्रि सहित तमाम पर्वो पर यहाँ विशेष रौनक छायी रहती है। इनके दर्शन का फल बड़ा अभीष्ट माना गया है । कालसर्प दोष का निवारण यहाँ के दर्शन मात्र से हो जाता है। संकट निवारण व भयानक बाधाओं से मुक्ति के लिए भी इनकी पूजा की जाती है। महाकुम्भ के दौरान इन दिनों लाखों करोड़ों भक्तजन यहाँ दर्शनों को पहुंच रहे है।

धर्म-दर्शन

सनातन धर्म में वासुकी नाग को भगवान शिव के गले का हार भी माना जाता है। शेषनाग के भाई के रूप में भी इन्हें पूजा जाता है। ये अलौकिक सिद्धियों के स्वामी कहे जाते है। कहा जाता है कि जब भगवान श्री कृष्ण को वासुदेव डलिया में रखकर यमुना पार कर रहे थे तो वासुकी ने ही यमुना के प्रचंड जलावेग से उनकी रक्षा की। भगवान विष्णु के मत्स्य अवतार की महिमा में भी वासुकीनाग की गाथाएं कही जाती हैं।

...शेष कल

संपादकीय

प्रभावी शासन

प्रभावी शासन के लिए सरकार और विपक्ष के बीच रचनात्मक सहयोग की आवश्यकता होती है। चूंकि सरकार ही मुख्य प्रभारी निकाय है, इसलिए यह उसका कर्तव्य है कि वह किसी समझौते पर पहुँचने के प्रयासों का नेतृत्व करे तथा यह सुनिश्चित करे कि संसद में चर्चा राजनीतिक दरार को बढ़ाने के बजाय भारत की समस्याओं के समाधान पर केंद्रित हो। किसी लोकतंत्र में विपक्ष की सक्रियता और ताकत अक्सर उसके स्वास्थ्य का सूचक होती है। विपक्ष के कारण मुद्दों और विधेयकों पर अधिक बहस और चर्चा होती है अन्यथा, उन्हें बिना किसी चर्चा या दूसरों की जरूरतों पर विचार किए पारित कर दिया जाएगा, जो लोकतंत्र के लिए घातक होगा और इसे निरंकुशता में बदल सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर, विपक्षी पार्टी ही युद्ध के लिए उतरेगी। भारत में विपक्ष को मजबूत करने के लिए सिर्फ राजनीतिक दलों को ही नहीं, बल्कि समग्र लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करना होगा। महत्त्वपूर्ण नीतियों में पार्टियों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मीडिया तक समान पहुँच प्रदान करना और राज्य निधि का आवंटन शामिल है। लोकतंत्र को गतिशील, उत्तरदायी और जवाबदेह बनाने के लिए एक मजबूत और सफल विपक्ष का होना आवश्यक है।

सहिष्णुता, वास्तविक राजनीतिक विरोध, तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की नागरिकों की क्षमता में विश्वास, ये सभी लोकतंत्र के लिए पूर्वापेक्षाएँ हैं।

लोकतंत्र में सरकार की शक्ति

प्रियंका सौरभ।।

विपक्ष एक आवश्यक प्रहरी है जो एक समृद्ध लोकतंत्र में सरकार की शक्ति पर नियंत्रण और संतुलन सुनिश्चित करता है। यह विभिन्न दृष्टिकोणों को व्यक्त करने, समाज के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करने तथा सरकार को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह बनाने के लिए आवश्यक है। सहिष्णुता, वास्तविक राजनीतिक विरोध, तथा विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने की नागरिकों की क्षमता में विश्वास, ये सभी लोकतंत्र के लिए पूर्वापेक्षाएँ हैं। एक कमजोर और बिखरा हुआ विपक्ष चुपचाप खड़ा रह सकता है और बहुमत वाली पार्टी की तानाशाही और मनमर्जी को तानाशाही स्थापित करने की इजाजत दे सकता है। यद्यपि सरकार के सुचारू संचालन के लिए एक स्वस्थ विपक्ष आवश्यक है, ताकि कभी–कभार होने वाली ज्यादतियों का प्रतिकार किया जा सके और अवरोधों को रोका जा सके, किन्तु विपक्ष की अनुपस्थिति समग्र रूप से लोगों की स्वतंत्रता और जीवन को खतरे में डाल देगी तथा कानून के शासन को भी खतरा पहुँचाएगी।

लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष को मिलकर रचनात्मक रूप से काम करना होगा। लेकिन भारत में संसदीय बहसों में बढ़ते ध्रुवीकरण, बार–बार व्यवधान तथा गहन चर्चाओं पर बयानबाजी के प्रभुत्व के कारण

विधायी विचार–विमर्श की गुणवत्ता और भी खराब हो गई है। अपर्याप्त नीतिगत चर्चा सरकार और विपक्ष के बीच वास्तविक बातचीत में बाधा डालती है। पक्षपातपूर्ण मुद्दों का उपयोग अक्सर उन महत्त्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करने के लिए किया जाता है, जिनके लिए व्यापक राष्ट्रीय सहमति की आवश्यकता होती है, जैसे विदेश नीति और तकनीकी विकास। संसदीय चर्चाओं की प्रभावशीलता तब कम हो जाती है जब राजनीतिक दुश्मनी के कारण चर्चा के बजाय अशांति पैदा होती है। सरकार का विधायी एजेंडा और विपक्ष के साथ सार्थक तरीके से बातचीत करने की अनिच्छा यह दर्शाती है कि वह अपने कार्यों की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। संसदीय प्रक्रियाओं द्वारा चर्चा और नीति सुधार को सुगम बनाया जाना चाहिए, लेकिन बढ़ती पक्षपातपूर्णता ने इन प्रक्रियाओं को कमजोर कर दिया है।

सरकार को नियंत्रण और संतुलन बनाए रखने के लिए एक मजबूत विपक्ष की आवश्यकता है। इस बात को समझते हुए, अमेरिकी संस्थापकों ने सरकार के कई स्तर स्थापित किये। वे बड़ी सरकार को लेकर बहुत सतर्क थे, यही कारण है कि उन्हें लगता था कि इसे चलाना कठिन और जटिल है। वे अन्य सदस्यों द्वारा कानून पारित होने से रोकने के लिए वैध लेकिन अनैतिक साधनों के प्रयोग से अनभिज्ञ थे।

विधेयक पर बात–चीत करते हुए उसे समाप्त कर देना या विधेयक पर बात न करना का तात्पर्य अनावश्यक भाषणबाजी और समय की बर्बादी से है जिसका उद्देश्य किसी सार्थक विधेयक या कानून को वास्तव में पारित होने से रोकना होता है। विपक्ष सरकार में तोड़फोड़ कर सकता है और कानूनों को पारित होने से रोक सकता है, जिससे वे अप्रभावी हो जाएंगे। मजबूत विपक्ष के अभाव में वर्तमान सरकार निरंकुश और गैर–जवाबदेह हो जाती है और वह ऐसे कानून बना सकती है जो कुछ लोगों या किसी विशिष्ट जनजाति या समूह को लाभ पहुँचाते हैं। जैसा कि कहा गया है, ष्सत्ता भ्रष्ट करती हैष् और खेद की बात है कि ऐसा होता भी है। अतीत के कथित परोपकारी राजा वास्तव में अधिकार के पदों पर नहीं थे। 1960 के दशक में पहली बार नाइजीरियाई सैन्य अधिग्रहण से पहले, देश में मजबूत विपक्ष था। हालांकि, फूट डालो और राज करो की रणनीति, तथा देशद्रोह के आरोप में नेता को जेल में डालकर इसे कुचलने में सफल रहे।

अष्टयोग-5086

4	3		5		1	2
	33		35	1	27	
6	1		7		5	
	26	2	40	7	34	
1		6			2	4
	29		33	4	30	
	4		2		6	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5085 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	35	3	27	1	28	7
6	1	4	7	2	5	3
3	26	2	40	7	34	6
1	3	6	7	5	2	4
2	27	1	41	4	29	5
4	3	7	5	6	1	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

अपना ब्लॉग

सुधार का एक तरीका

मोहन। राजनीतिक बयानबाजी के बजाय नीति पर जोर देना संसदीय कार्यप्रणाली में सुधार का एक तरीका है। संसदीय चर्चाओं में पुराने जमाने के दोषारोपण या चुनाव प्रचार की तुलना में शासन सम्बंधी मुद्दों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। विपक्ष और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच लगातार, संगठित संपर्क से मुद्दा–आधारित संवाद को बढ़ावा मिल सकता है और टकराव से बचने में मदद मिल सकती है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि नीतिगत चर्चाएँ फलदायी बनी रहें, संसदीय समितियों जैसे तंत्रों को मजबूत किया जाना चाहिए। तात्कालिक राष्ट्रीय मुद्दों पर नियमित चर्चा के माध्यम से सरकार की कार्यवाही को स्पष्ट करना कुछ ऐसा है जो प्रधानमंत्री और अन्य महत्त्वपूर्ण मंत्रियों को करना चाहिए। प्रश्नकाल और संगठित नीतिगत चर्चा जैसे मंचों को पुनर्जीवित करके जवाबदेही की गारंटी देना संभव है। राजनीतिक विभाजन पैदा करने के बजाय, विदेश नीति, विकास और आर्थिक परिवर्तन को दलीय मुद्दों के रूप में देखा जाना चाहिए, जिन पर दीर्घकालिक आम सहमति की आवश्यकता है। चर्चाओं के लिए अधिक कठोर नियम और नैतिक मानदंड स्थापित करके संसदीय व्यवधानों को कम किया जाना चाहिए।

ऑस्कर विनिंग स्टार जीन हैकमैन पत्नी संग घर में पाए गए मृत

ऑस्कर विनिंग स्टार जीन हैकमैन और उनकी पत्नी बेट्सी अराकावा अपने घर में संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए हैं। इससे पूरी फिल्म इंडस्ट्री में सनसनी मच गई है। जीन हैकमैन और पत्नी के साथ–साथ उनके कुत्ते की भी डेड बॉडी मिल है। इस बात की जानकारी सांता फे की एक शेरिफ ने दी। 95 वर्षीय जीन हैकमैन और उनकी 63 साल की क्लासिकल पियानिस्ट पत्नी दोपहर अपने घर में मृत पाए गए। सांता फे ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। वहीं प्रेस असोसिएशन ने बताया कि इस मामले की जांच चल रही है। शेरिफ मेंडोजा ने बताया कि अभी इस मामले में किसी गड़बड़ी या कुछ संदिग्ध बात सामने नहीं आई है। साथ ही यह भी पता नहीं चल सका है की जीन हैकमैन और उनकी पत्नी की मौत कब और कैसे हुई। शेरिफ के प्रतिनिधि बुधवार दोपहर को जीन हैकमैन, उनकी पत्नी और कुत्ते की संदिग्ध मौत की जांच के लिए ओल्ड सनसेट ट्रेल स्थित उनके घर पहुंचे थे। शेरिफ ने कहा, श्मैं बस इतना कह सकता हूं कि अभी प्रारंभिक मौत की जांच के बीच में हैं, और सर्च वारंट की मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। मैं पूरी कम्युनिटी और आस–पड़ोस को आश्वस्त करना चाहता हूं कि किसी को फिलहाल कोई खतरा नहीं है। जीन हैकमैन पत्नी के साथ न्यू मैक्सिको के सातां फे में साल 1980 से रह रहे थे। उन्होंने साल 1991 में बेट्सी अराकावा से शादी की थी। जीन की दो बार शादी हुई थी और उनके तीन बच्चे थे।

राजामौली ने औरत के लिए दोस्ती तोड़ी, काला जादू किया

साउथ सिनेमा के जाने–माने फिल्ममेकर एसएस राजामौली पर उनके दोस्त ने कई आरोप लगाए हैं और फिर अपनी जान देने की बात कही। राजामौली फिलहाल महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा की अगली फिल्म ेडठ29 की शूटिंग कर रहे हैं। वो एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। उनके लंबे समय के दोस्त होने का दावा करने वाले उप्पलापति श्रीनिवास राव ने उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए। मेट्टुगुडा पुलिस को लिखे एक पत्र में, श्रीनिवास राव ने कहा कि वह राजामौली को 1990 से जानते हैं और उन्होंने उन पर अपना जीवन बर्बाद करने और उन्हें परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उनका झगड़ा एक लव ट्रायंगल के कारण हुआ था। उन्होंने दावा किया, मेरे पास आत्महत्या करके मरने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राजामौली की वजह से मैं 55 साल की उम्र में भी सिंगल हूं। हमने यामाडोंगा तक साथ काम किया लेकिन उन्होंने एक औरत के लिए मेरा करियर बर्बाद कर दिया। श्रीनिवास राव ने कहा कि वे निराश महसूस करते हैं और 55 साल की उम्र में सिंगल होने के लिए राजामौली को दोषी ठहराते हैं।

शबाना आजमी ने बताया डब्बा कार्टेल के लिए क्यों हुईं राजी

शबाना आजमी इस वक्त वेब सीरीज डब्बा कार्टेल को लेकर चर्चा में हैं, जो जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। शबाना से एक इंटरव्यू में पूछा गया कि क्या उन्होंने डब्बा कार्टेल का ऑफर इसलिए तो स्वीकार नहीं किया था क्योंकि वह कोविड काल में परिवार के साथ घर में बंद थीं? इस पर शबाना आजमी ने मजेदार जवाब दिया। दरअसल श्डब्बा कार्टेलश को शबाना के बहू–बेटे यानी फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर ने प्रोड्यूस किया है। शबाना ने नेटफ्लिक्स के यूट्यूब चैनल संग बातचीत में इसके जवाब में मजाक में कहा कि हालात वास्तव में इससे भी ज्यादा गंभीर थे क्योंकि उनका बेटा और बहू इसमें शामिल थे। शबाना आजमी ने कहा, नहीं, वास्तव में ऐसा नहीं था। परिस्थितियां इससे कहीं अधिक विकट थीं। क्योंकि बहू ने लिखा और बेटा प्रोड्यूस कर रहा है, तो मेरी क्या मजाल कि मैं किसी तरह से, और वो भी कोविड के जमाने में ना बोल दूं। तो वो मैंने एक्सेप्ट कर लिया। डब्बा कार्टेल में ज्योतिका, शालिनी पांडे, अंजलि आनंद और निमिषा सजयन हैं। शबाना ने हाल ही इसके ट्रेलर लॉन्च पर ज्योतिका के लिए कहा था कि वह उन्हें इस सीरीज से निकलवाना चाहती थीं। वह चाहती थीं कि ज्योतिका की जगह डब्बा कार्टेल में किसी और को लें।

वो मेरे मां–बाप हैं, गले लगाना गलत क्यों

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एक्टर अक्षय कुमार ने हाल ही में एक भक्ति गीत श्महाकाल चलोश रिलीज किया था, जो आते ही विवाद में आ गया। एक पुजारी संघ ने कहा कि गाने में कुछ सीन्स गलत तरीके से दिखाए गए थे। एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश शर्मा ने न्यूज18 से बात करते हुए कहा कि, श्गाना तो अच्छा है, लेकिन कुछ सीन्स अनुचित हैं। वीडियो में अक्षय कुमार शिवलिंग को गले लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो स्वीकार्य नहीं है। इसके अलावा, भस्म को उस तरीके से चढ़ाया जा रहा है जो परंपरा के अनुरूप नहीं है।

अक्षय ने शिवलिंग को गले लगाने पर अपनी राय रखी

अब, विवाद पर बात करते हुए अक्षय ने अपनी आगामी फिल्म कन्नप्पा के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बात की। विष्णु मांचू फिल्म में शिव का किरदार निभाने वाले एक्टर ने महाकाल चलो गाने में शिवलिंग गले लगाने के विवाद पर अपनी चुप्पी तोड़ी और कहा, बचपन से, मेरे माता–पिता ने मुझे सिखाया कि भगवान हमारे माता–पिता हैं। तो, यदि आप अपने माता–पिता को गले लगाते हैं, तो इसमें गलत क्या है? क्या इसमें कुछ गलत है? अक्षय ने आगे कहा, शबिल्कुल गलत नहीं है। मेरी अगर शक्ति वहां से आती है, तो मेरी भक्ति को अगर कोई गलत समझे, उसमें मेरा कोई कसूर नहीं। बस इतना ही है।

महाकुंभ की व्यवस्था पर बोले

एक्टर हाल ही में महाकुंभ में गए थे और वहां की व्यवस्थाओं से काफी इंप्रेस हुए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई ऐसा देश है जो 45 दिनों में 60 करोड़ लोगों की भीड़ को संभाल सकता है। सलाम। सब अपने आप चल रहे हैं और प्यार

से चल रहे। महाकुंभ का मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा।

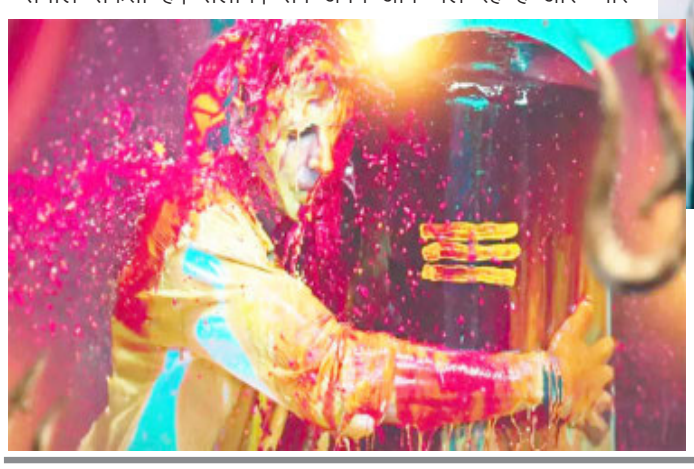

पलाश के साथ अक्षय कुमार

अक्षय कुमार ने सिंगर डॉ पलाश सेन के साथ मिलकर 'महाकाल चलो' गाना तैयार किया है। 19 फरवरी को रिलीज हुए इस म्यूजिक वीडियो में कोरियोग्राफर गणेश आचार्य भी शामिल थे, जिसमें अक्षय और पलाश महादेव की भक्ति में एक साथ परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं।

नीम करोली बाबा के दर पर आरती सिंह और दीपक चौहान

एक तरफ गोविंदा और सुनीता के तलाक की चर्चा हो रही है तो दूसरी तरफ उनकी भांजी आरती सिंह अपने पति दीपक चौहान के साथ नीम करोली बाबा के आश्रम पहुंची हैं। उन्होंने कैंची धाम, उत्तराखंड से अपनी फोटोज शेयर की हैं, जो वायरल हो रही हैं। उन्होंने कहा कि बाबा ने आखिर बुला ही लिया।

टीवी एक्ट्रेस आरती सिंह अपने पति दीपक चौहान के साथ नीम करोली बाबा के आश्रम कैंची धाम, उत्तराखंड पहुंची हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी झलक भी दिखाई है। मालूम हो कि उनके मामा गोविंदा और मामी सुनीता को लेकर तलाक की खबरें चर्चा में हैं। आरती ने इस पर रिएक्ट करते हुए कहा था कि अभी वो मुंबई में नहीं हैं और इस तरह की खबरें झूठी हैं।

दर्शन कर धन्य हुईं गोविंदा की भांजी

आरती सिंह ने इंस्टाग्राम पर पति दीपक चौहान के साथ फोटो शेयर की। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बाबा ने बुला ही लिया। नीम करोली बाबा। आरती सिंह के पोस्ट पर एक्ट्रेस नीलम कोठारी, माही विज सहित कई सेलेब्स और फैंस ने प्यार बरसाया है। इससे पहले आरती ने ऋषिकेश में गंगा स्नान किया और आरती में भी हिस्सा लिया।

गोविंदा और सुनीता का तलाक!

उधर आरती नैनीताल और ऋषिकेष में घूम रही हैं तो इधर उनके मामा गोविंदा से जुड़ी बड़ी खबर चर्चा में है। बताया जा रहा है कि उनका बीवी सुनीता संग रिश्ता ठीक नहीं चल रहा है। सुनीता उनसे सेपरेट होना चाहती हैं। एक्टर इसे सुलझाने में लगे हुए हैं। अभी तक उनकी तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।

आरती ने कही ये बात

अपने मामा और मामी के तलाक को आरती सिंह ने बकवास बताया था। उन्होंने कहा था कि ये झूठी खबर है। वो ये भी बोलीं कि अभी शहर में नहीं हैं। आरती के भाई कृष्णा अभिषेक ने भी इन खबरों से इनकार किया था। गोविंदा और सुनीता की शादी 37 साल पहले हुई थी। इनके दो बच्चे हैं।

बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकती है ज्यादा गर्मी

उम्र बढ़ना एक आम और स्वाभाविक प्रक्रिया है। मगर कुछ फैक्टर इसकी गति को तेज या धीमा करके बायोलॉजिकल एज को प्रभावित कर सकते हैं। एक नई स्टडी में देखने को मिला है कि ज्यादा गर्मी में रहने वाले बुजुर्गो का बायोल०जिकल एज जल्दी बढ़ सकती है।

हर मौसम का अपना फायदा और नुकसान है। भीषण गर्मी बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकती है। यह हीट स्ट्रोक, हीट एग्जॉशन के साथ एजिंग प्रोसेस की स्पीड भी बढ़ा सकती है। साइंस एडवान्स में प्रकाशित स्टडी में अमेरिका के 3,600 बुजुर्गों पर अध्ययन किया गया है।

14 महीने जल्दी एजिंग

शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग ऐसी जगह पर रहते हैं जहां का तापमान एक साल में 140 या उससे ज्यादा दिनों तक 90 डिग्री फॉरेनहाइट या उससे ज्यादा रहता है, वहां के लोग उन लोगों के मुकाबले 14 महीने तक जल्दी एज कर सकते हैं, जो कि इतनी गर्मी एक साल में 10 दिन या उससे कम झेलते हैं।

क्या दिखा अध्ययन में?

रिपोर्ट के मुताबिक अध्ययन में देखा गया कि जो लोग ज्यादा गर्मी पड़ने वाली जगह पर रह रहे थे, उनका एजिंग प्रोसेस मोलेक्यूलर लेवल पर काफी तेज था और जो लोग कम तापमान पर रहते थे, उनका एजिंग प्रोसेस थोड़ा कम था। इसके लिए अध्ययन में 90 डिग्री या उससे ज्यादा फॉरेनहाइट तापमान को एक माप माना गया।

क्या है कारण?

स्टडी कहती है कि जलवायु परिवर्तन की वजह से हीट वेव और तापमान में काफी बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह लोगों के डीएनए पर भी नकारात्मक असर डाल सकती है। जिससे बायोलॉजिकल एजिंग में तेजी देखी जा सकती है।

कैसे की गई स्टडी

स्टडी करने के लिए रिसर्चर्स ने 3 बायोमार्कर एजिंग एस्टीमेट का अध्ययन किया। जिन्हें एपिजेनेटिक क्लॉक कहा जाता है और यह 56 साल या उससे बुजुर्ग लोगों के ब्लड सैंपल से लिया गया। इसके साथ 6 सालों तक रोजाना के जलवायु आंकड़ों को लेकर रिजल्ट निकाला गया।

एकमात्र वजह नहीं

शोधकर्ता का कहना है कि यह अकेली वजह नहीं है। हम यह नहीं कह सकते कि अधिक तापमान ही एजिंग को तेज करता है। हालांकि ये दोनों चीजें आपस में जुड़ी हुई देखी गई हैं। इसके साथ दूसरे फैक्टर भी हो सकते हैं, जैसे लाइफस्टाइल,डाइट आदि।

स्टूल में ब्लड क्यों आता है, यह बवासीर है या कैंसर?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मल में खून दिखना चिंता का कारण हो सकता है, लेकिन यह हमेशा किसी गंभीर बीमारी की निशानी नहीं होता। फिर भी, यदि आपको अपने मल में खून दिखाई दे, तो डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। समय पर पता लगाने और इलाज शुरू करने से बेहतर परिणाम मिल सकते हैं। यह एक स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। इसका मतलब है कि पाचन तंत्र के किसी हिस्से से खून बह रहा है। खून का रंग और मात्रा यह बताता है कि समस्या कहां हो सकती है और कितनी गंभीर है। रक्त के रंग से स्रोत की जानकारी मिल सकती है। मलाशय, बवासीर, एनल फिशर्स, आंत्र संक्रमण, सूजन आंत्र रोग या कोलन कैंसर इसका कारण हो सकते हैं।

तो क्या करें

लगातार या बड़े मात्रा में रक्त दिखाई देने पर चिकित्सक से परामर्श लेना आवश्यक है। हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट में बताया गया है कि मल में खून क्यों आता है, कितना गंभीर है और आप ऐसे लक्षण दिखने पर क्या कर सकते हैं।

कब डॉक्टर को दिखाना चाहिए?

यदि आपको बार–बार या लगातार मल में खून दिखाई देता है। यदि खून की मात्रा अधिक हो। यदि आपको पेट में दर्द, वजन कम होना, थकान या कमजोरी महसूस हो। यदि मल का रंग काला या गाढ़ा हो।

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण

पेट में बैक्टीरिया या वायरस की वजह से सूजन और खून आ सकता है। हेलिकोबैक्टर पाइलोरी नामक बैक्टीरिया पेट में अल्सर बना सकता है। इसके अलावा सूजन आंत्र रोग की वजा से आंतों में सूजन की वजह से होता है। क्रोहन रोग और अल्सरेटिव कोलाइटिस इसकी दो मुख्य प्रकार हैं। इसके अलावा कोलोरेक्टल कैंसर भी इसकी बड़ी वजह है. यह बड़ी आंत या मलाशय में शुरू होने वाला कैंसर है। यह मल में खून आने का एक गंभीर कारण हो सकता है।

बवासीर से आ सकता है मल में खून

यह गुदा और मलाशय की सूजी हुई रक्त वाहिकाएं हैं। यह मध्यम आयु के लोगों में मल में खून आने की सबसे आम वजह है। इसके अलावा गुदा में दरारें कटने से खून आ सकता है. ये गुदा की त्वचा में छोटे कट होते हैं। कब्ज या सख्त मल निकालने में जोर लगाने से ये हो सकते हैं। एक वजह डायवर्टीकुलोसिस भी है जो बृहदान्त्र की दीवार में छोटी थैलियां बन जाती हैं, जो फटकर खून बहा सकती हैं। कोलन पॉलीप्स भी इसकी एक वजह है जोकि बड़ी आंत में छोटे उभार होते हैं। कुछ पॉलीप्स कैंसर में बदल सकते हैं।

गाढ़ा या काला मल

यह खून पाचन तंत्र के ऊपरी हिस्से, जैसे पेट या छोटी आंत से आ सकता है। जैसे–जैसे खून पचता है, यह काला और चिपचिपा हो जाता है। पेट के अल्सर, आंतों में खून बहना या सूजन आंत्र रोग इसकी वजह हो सकते हैं। ध्यान दें कि कुछ खाद्य पदार्थ जैसे चुकंदर, टमाटर, ब्लड सॉसेज, या आयरन सप्लीमेंट भी मल के रंग को बदल सकते हैं।

मल में खून आने के कारण

मल में खून आना कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकता है। यह हल्की परेशानियों जैसे बवासीर या गुदा में दरार से लेकर आंतों में खून बहना या कोलन कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का लक्षण भी हो सकता है। चमकदार लाल खून– यह खून आमतौर पर पाचन तंत्र के निचले हिस्से, जैसे मलाशय या गुदा से आता है। यह टॉयलेट पेपर, टॉयलेट के कटोरे में या मल की सतह पर दिख सकता है। बवासीर या गुदा में दरारें इसकी आम वजहें हैं। यदि आपको बड़ी मात्रा में लाल खून दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

ब्रेस्ट मिल्क में मौजूद प्रोटीन 1 कैंसर के इलाज में मिला काफी असरदार

कैंसर को ठीक करने वाले तरीकों में बढ़ोतरी मिलती जा रही है। साइंस दिन ब दिन इसको असरदार बनाने में लगा हुआ है। अब एक नई उम्मीद और जागती दिखाई दे रही है। शोधकर्ताओं का मानना है कि ब्रेस्ट मिल्क से मिलने वाला प्रोटीन एक कैंसर के ट्रीटमेंट में काफी असरदार साबित हो सकता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक नए क्लीनिकल ट्रायल में इंसानों के ब्रेस्ट मिल्क में मिलने वाले प्रोटीन की नकल पर अध्ययन किया गया। उच्च खुराक में इसे दिए जाने पर इलाज में काफी अच्छे रिजल्ट देखे गए। इस दवा को Alpha1H नाम दिया गया है। यह ड्रग अल्फा–लैक्टलबुमिन को सिंथेसाइस करके बनाया गया है। अल्फा–लैक्टलबुमिन एक आम प्रोटीन है, जो इंसानों के ब्रेस्ट मिल्क में होता है। जो ओलिएक एसिड नाम के फैटी एसिड से बंधा होता है। इस स्टडी में ड्रग को ब्लैडर कैंसर के मामलों में असरदार देखा गया है। शोधकर्ताओं ने देखा कि इसने 88 प्रतिशत ब्लैडर कैंसर के शुरुआती स्टेज के ट्यूमर की सेल्स को नष्ट किया। इन मामलों में कंप्लीट या पार्टियल रिस्पॉन्स देखने को मिला। ब्रेस्ट मिल्क का यह प्रोटीन काफी दिलचस्प मॉलेक्यूल है। यह कई प्रकार की ट्यूमर सेल्स के खिलाफ काम कर सकता है। इसलिए हमें उम्मीद है कि भविष्य में यह दूसरे प्रकार के कैंसर के ट्रीटमेंट में भी मददगार हो सकता है।

बॉडी को रोजाना कितना प्रोटीन चाहिए, क्या खाने से मिलेगा बढ़िया प्रोटीन

जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर प्रोटीन को पचाने और इस्तेमाल करने में कमजोर होता जाता है। इसलिए मांसपेशियों और सेहत को बनाए रखने के लिए अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। बुजुर्गों को प्रतिदिन अपने शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम पर 1.0–1.2 ग्राम प्रोटीन लेना चाहिए। शारीरिक रूप से सक्रिय बुजुर्गों या कुछ स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों को इससे भी अधिक प्रोटीन की जरूरत हो सकती है। पौधे आधारित प्रोटीन भी मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए बहुत फायदेमंद है। सोया प्रोटीन की गुणवत्ता दूध या मट्ठा (व्हे प्रोटीन) के बराबर होती है। हालांकि, शाकाहारी या वीगन लोगों को, जो केवल पौधों से प्रोटीन लेते हैं, उन्हें अपनी डाइट में 10: अधिक प्रोटीन शामिल करना चाहिए ताकि शरीर को आवश्यक पोषण मिल सके। दूध से मिलने वाले प्रोटीन, जैसे व्हे (मट्ठा) और केसीन, मांसपेशियों को बनाने और उनकी मरम्मत में काफी मदद करते हैं। ये हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन हैं, जो व्यायाम के बाद मांसपेशियों की रिकवरी में सहायक होते हैं। यदि आप डेयरी उत्पाद नहीं लेते, तो ऐसे प्रोटीन चुनें जो सभी आवश्यक अमीनो एसिड प्रदान करते हों।

दांत सड़ने से लेकर कैंसर तक कई तरह की होती हैं ओरल डिजीज

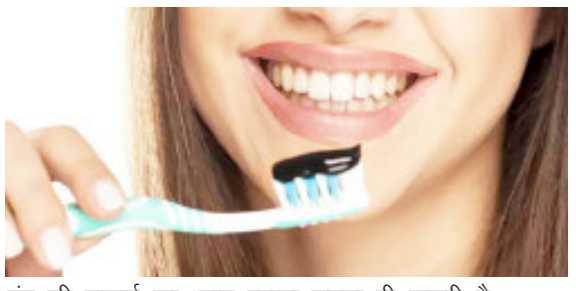

मुंह की सफाई का ध्यान रखना उतना ही जरूरी है, जितना कि शरीर की सफाई करना। इस काम को नजरअंदाज करने से कई तरह की ओरल डिजीज हो सकती हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक करीब 3.5 बिलियन लोगों को मुंह की बीमारी है। संगठन के मुताबिक ओरल डिजीज कई तरह की हो सकती हैं। जिसमें दांतों का सड़ना, टूटना, पेरियोडोंटल डिजीज, दांत गिरना और ओरल कैंसर तक शामिल है। लेकिन इनसे बचाव किया जा सकता है और इसके 4 तरीकों के बारे में डब्ल्यूएचओ ने बताया। विश्व स्वास्थ्य संगठन दांतों को रोजाना साफ करने की सलाह देता है। इसके लिए फ्लोराइड टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें। यह दांतों को सड़ने से बचाकर मजबूत बनाने में मदद करता है। मुंह की बीमारी से बचने के लिए फ्री–शुगर का सेवन कम कर दें। फ्री–शुगर उसे कहा जाता है, जो किसी फूड या ड्रिंक में अलग से मिलाई जाती है। यह दांतों के अलावा पूरे शरीर के लिए खतरनाक हो सकती है। तंबाकू को कई तरीकों से बेचा जाता है। गुटखा, बीड़ी, सिगरेट, वेप आदि। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन ओरल डिजीज से बचने के लिए सभी तरह के तंबाकू उत्पादों को बंद करने के लिए कहता है। शराब से लिवर खराब होता है, लेकिन यह मुंह के लिए भी नुकसानदायक है।

पाकिस्तान और अफगानिस्तान का प्रदर्शन

अफगानिस्तान ने पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट्स में 10 मैच जीते हैं। इनमें से पांच पिछले टी20 विश्व कप में आए जहां उन्होंने सेमीफाइनल में पहुँचकर इतिहास रचा। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया को भी हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। 2023 में भारत में हुए एकदिवसीय विश्व कप में, वे नौ मैचों में चार जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाने से चूक गए। दूसरी ओर, पाकिस्तान इनमें से किसी भी टूर्नामेंट में ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया है। तीन आईसीसी टूर्नामेंट्स में सिर्फ छह मैच जीते हैं। वे इस चौंपियंस ट्रॉफी से बिना कोई मैच जीते बाहर हो गए।

अजय जडेजा ने वकार यूनिस को कहीं का नहीं छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। पूर्व भारतीय बल्लेबाज अजय जडेजा ने पूर्व पाकिस्तानी कप्तान वकार यूनिस को अफगानिस्तान के क्रिकेट में बढ़ते प्रदर्शन का एक सीधा सा कारण बताया। खासकर आईसीसी टूर्नामेंट्स में। जडेजा ने कहा कि पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट्स में अफगानिस्तान ने पाकिस्तान से ज्यादा मैच जीते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में इंग्लैंड को हराकर बाहर करने के बाद अफगानिस्तान के कोच जोनाथन ट्रॉट ने कहा कि अब कोई भी टीम अफगानिस्तान को हल्के में नहीं लेगी। जोनाथन ट्रॉट के इस बयान का जिक्र करते हुए, वकार यूनिस ने एक टीवी शो में वसीम अकरम से पूछा कि क्या अफगानिस्तान अगले मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच सकता है? अकरम ने जवाब दिया– बिल्कुल। जिस तरह से उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ वो मैच जीता... शुरुआती विकेट गिरने के बाद इब्राहिम जदरान ने बहुत अच्छा खेला और फिर गीली गेंद से 320 रन का बचाव करना काबिले तारीफ था। पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा ने वकार यूनिस को याद दिलाया कि अफगानिस्तान ने पिछले तीन आईसीसी टूर्नामेंट्स में पाकिस्तान से अधिक मैच जीते हैं। उन्होंने अफगानिस्तान की बढ़ती ताकत की सराहना की।

आप लोग बदतमीजी करते हैं मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता

क्रिकेट

योगराज सिंह के शर्म आनी चाहिए वाले बयान पर वसीम अकरम फट पड़े

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दुबई। पाकिस्तान के महान क्रिकेटर वसीम अकरम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कोचिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर योगराज सिंह ने अकरम और शोएब अख्तर जैसे दिग्गजों से सवाल किया था कि वे मौजूदा खिलाड़ियों की मदद क्यों नहीं करते। अकरम ने इस आलोचना का जवाब देते हुए कहा कि वह मुफ्त में कोचिंग करने को तैयार हैं, लेकिन अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने वकार यूनिस का उदाहरण देते हुए बताया कि पाकिस्तानी कोचों के साथ कैसा बर्ताव किया जाता है। अकरम ने कहा कि 58 साल की उम्र में वह अब तनाव भरी जिंदगी नहीं जीना चाहते। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, देश के पूर्व क्रिकेट सितारों पर सवाल

उठने लगे हैं। उनपर आरोप है कि वे संघर्ष कर रहे मौजूदा खिलाड़ियों की मदद करने में हिचकिचा रहे हैं। इस बीच युवराज सिंह के पूर्व भारतीय क्रिकेटर पिता योगराज सिंह ने सार्वजनिक रूप से वसीम अकरम, शोएब अख्तर और अन्य दिग्गजों से पूछा कि वे पर्दे के पीछे क्यों रहते हैं और कोचिंग क्यों नहीं करते। इस सवाल का जवाब देते हुए वसीम अकरम ने एक शो में अपनी बात रखी।

वसीम अकरम ने कहा कि लोग उन्हें लगातार आलोचनाओं का शिकार बनाते रहते हैं। उन्होंने वकार यूनिस का उदाहरण दिया, जिन्हें कई बार कोच पद से हटाया गया। अकरम ने कहा कि पाकिस्तानी कोचों के साथ जो बदतमीजी होती है, वो बर्दाश्त नहीं कर सकते। उन्होंने कहा– लोग अब भी कभी–कभी मेरी आलोचना करते हैं या मुझ पर हमला करते हैं कि वह केवल बातें करता है और कुछ नहीं। जब मैं पाकिस्तान के कोचों को देखता हूं – मैं यहां वकार को देखता हूं, जिन्हें कोच बनने के बाद कई बार बर्खास्त किया गया है – और उनकी हालत। आप लोग बदतमीजी करते हैं, मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता।

योगराज सिंह ने कहा था कि वसीम अकरम और शोएब अख्तर जैसे खिलाड़ी कोचिंग कैंप में मदद करने के बजाय शो में बैठकर पाकिस्तानी खिलाड़ियों की बुराई करते हैं। इस पर अकरम ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह बिना किसी पैसे के टीम की मदद करने को तैयार हैं, लेकिन नकारात्मक बातें बर्दाश्त नहीं करेंगे। 58 साल की उम्र में वह तनाव से दूर रहना चाहते हैं।

गैर–मुसलमानों को कमरे में नहीं आने देता रिज्जी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का सफर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से खत्म हो चुका है। पाकिस्तान की टीम को न्यूजीलैंड और भारतीय टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि आखिरी मैच बांग्लादेश के खिलाफ जो खेला जाना था, वह बारिश की भेंट चढ़ा। 29 साल बाद किसी आईसीसी इवेंट की मेजबानी मिलने के बाद पाकिस्तान की टीम का प्रदर्शन बेहद शर्मनाक रहा। इस खराब प्रदर्शन के बाद मोहम्मद रिजवान और हेड कोच आकिब जावेद सवालों के घेरे में हैं। दोनों की काफी आलोचना हो रही है। इस बीच पाकिस्तानी टीम के ओपनर बैटर इमाम उल हक ने रिजवान को लेकर एक ऐसा कमेंट किया,

■ मोहम्मद रिजवान और हेड कोच आकिब जावेद सवालों के घेरे में

जिसको जानकर हर कोई हैरान रह गया।

दरअसल, पाकिस्तानी टीम के ओपनिंग बैटर इमाम उल हक ने मोहम्मद रिजवान को लेकर एक वीडियो में बताया कि कैसे वह पूरी टीम को नमाज के लिए इकट्ठा करते है और ये भी ध्यान में रखते है कि गैर–मुस्लिम लोग इसका हिस्सा न रहें। बता दें कि पाकिस्तान की टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 से बाहर हो गई है। पहले दो मैचों में मिली हार के बाद टीम का टूर्नामेंट में सफर खत्म हुआ। अब सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कप्तान रिजवान के बारे में कुछ ऐसे खुलासे इमाम ने किए है, जिससे हर कोई जानकर हैरान रह गया। इमाम ने एक पॉटकास्ट में बताया था कि रिजवान काफी ज्यादा धार्मिक हैं और टीम को उसी राह पर चलने को कहते हैं। इमाम ने कप्तान की आदतों के बारे में अल्ट्रा एज पॉडकास्ट पर टीम में लीडर कौन हैं, इसका जवाब दिया। उन्होंने पहले कहा कि मैं किसी का नाम लीडर के रूप में लूं? (हंसने लगे) सारे आपस में लड़ रहे हैं।

इमाम ने बाद में रिजवान की ओर इशारा करते हुए कहा कि रिज्जी नमाज के लिए होटल के कमरों की व्यवस्था करता है। सभी को नमाज के लिए इकट्ठा करता है। नमाज के लिए सफेद चादरें बिछाता है। गैर–मुसलमानों को कमरे में नहीं आने देता और यहां तक कि नमाज के लिए व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाता है।

बल्ले से होगा धूम–धड़ाका या गेंदबाजों का चलेगा जादू?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम का सामना 2 मार्च 2025 को न्यूजीलैंड से होगा है। यह मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। टीम इंडिया ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अपने दोनों शुरुआती मैच में जीत हासिल कर सेमीफाइनल में पहले ही प्रवेश कर लिया है, वहीं, न्यूजीलैंड की टीम भी सेमीफाइनल में पहुंच चुकी है। अब दोनों टीम के बीच आपस में भिड़ंत होगी। दुबई का मौसम 2 मार्च को साफ रहेगा। तापमान 19 से 24 डिग्री सेलसियस तक रहने की उम्मीदें हैं। बारिश होने की संभावाना ना के बराबर है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला दुबई में होना है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम की पिच आमतौर पर धीमी मानी जाती है। यहां पर स्पिनरों को मदद मिलती है। लक्ष्य का पीछा करना बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो सकता है।

न्यूज डायरी

न्यूजीलैंड भी नहीं रोक पाएगा भारत का विजयी रथ, लगाएगी जीत की हैट्रिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारतीय टीम का सामना न्यूजीलैंड से होगा। यह मुकाबला दुबई में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के अपने पहले 2 मैच जीतकर भारतीय टीम सेमीफाइनल का टिकट कटा चुकी है। ऐसे में आखिरी मैच अगर भारतीय टीम हार भी जाती है तो उसकी सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। दूसरी ओर न्यूजीलैंड भी पहले 2 मैच जीतकर सेमीफाइनल में एंट्री कर चुकी है। ऐसे में दोनों टीमों को जीत हार से फर्क नहीं पड़ेगा। हालांकि, अपने आखिरी ग्रुप मैच को जीतकर भारतीय टीम जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। कीवी टीम भी रोहित शर्मा एंड कंपनी का विजयी रथ नहीं रोक सकती है। दोनों टीमों के बीच वनडे में हेड टू हेड के आंकड़ों पर नजर डाले तों भारत का पलड़ा भारी है। ऐसे में पहले से ही मैन इन ब्लू की जीत पक्की नजर आ रही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच अब तक 118 वनडे मैच खेले गए हैं। इस दौरान भारतीय टीम ने 60 मुकाबले जीते हैं। दूसरी ओर कीवी टीम 50 मैच ही जीत सकी है। दोनों टीमों के बीच अब तक 1 वनडे टाई और 7 मैच बेनतीजा रहे हैं। आंकड़ों से साफ है कि वनडे में भारतीय टीम न्यूजीलैंड पर भारी पड़ती है। ऐसे में भारतीय टीम की जीत लगभग तय मानी जा रही है। टीम इंडिया के कई बल्लेबाज अच्छी फॉर्म में भी हैं।

भारतीय क्रिकेटर ने वाइफ पर लुटाया प्यार, खास अंदाज में किया बर्थडे विश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान लगातार अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। आज इरफान पठान की वाइफ सफा बेग का बर्थडे है। ऐसे में उन्होंने खास अंदाज में सफा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सफा के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। पठान ने सफा के साथ एक्स पर एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इतना ही नहीं पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने सफा को सबसे बड़ा आशीर्वाद बताया है। पठान ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हैप्पी बर्थडे माई लव! तुम मेरा दिल, मेरी खुशी और मेरा सबसे बड़ा आशीर्वाद हो। तुम्हारे साथ हर दिन एक गिफ्ट है, मैं तुम्हें हर दिन मनाता हूं लेकिन आज यह एक बहुत ही खास दिन है क्योंकि तुम इस दिन पैदा हुई थी। तुम्हें अनंत खुशी, प्यार और हैप्पीनेस की शुभकामनाएं आज और हमेशा! बता दें कि इरफान पठान और सफा बेग 4 फरवरी 2016 को शादी के बंधन में बंधे थे। उनका विवाह समारोह मक्का में हुआ। इस कपल के 2 बेटे इमरान और सुलेमान हैं। पठान ने जनवरी 2020 में क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की। संन्यास लेने के बाद वह एक कमेंटेटर के रूप में काम कर रहे हैं। इतना ही नहीं वह अलग–अलग लीग में भी खेलते नजर आते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में इरफान पठान के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 29 टेस्ट की 40 पारियों में 31.57 की औसत और 53.22 की स्ट्राइक रेट से 1105 रन बनाए।

प्रीति जिंटा ने सोशल मीडिया पर दिया मुंह तोड़ जवाब दिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री और पंजाब किंग्स की सह–मालिक प्रीति जिंटा ने टीम इंडिया के स्टार विराट कोहली की तस्वीर को डीपी के रुप में लगाकर नफरत फैलाने वाले एक सोशल मीडिया ट्रोल की अलोचना की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उनका पूर्व भारतीय कप्तान के साथ कोई विरोध नहीं है और वह उनसे प्यार करती हैं। प्रीति जिंटा इस बात से बेहद नाराज थीं कि फैन कोहली की तस्वीर के बहाने माइक्रोब्लॉलिंग प्लेटफॉर्म एक्स पर अभद्र टिप्पणियां कर रहा था। एक यूजर के यह पूछे जाने पर कि उन्होंने ट्रोल की आलोचना करते समय दिग्गज बल्लेबाज के नाम का इस्तेमाल क्यों किया पर प्रीति ने सफाई दी। साथ ही ट्रोल करने वालों को चेतवानी भी दी। प्रीति जिंटा ने कहा, कृपया ऐसा मत कहो। मैं विराट को बहुत पसंद करती हूं। वह ट्रोल विराट कोहली की तस्वीर को अपनी डीपी के रूप में इस्तेमाल कर रहा था, इसलिए मैंने उस पर टिप्पणी की। जो लोग सेलिब्रिटी के चेहरे को अपनी डीपी के रूप में लगाते हैं और दूसरों को ट्रोल करते हैं, उन्हें मेरी टाइमलाइन पर पोस्ट करने की अनुमति नहीं है। बस इतना ही! बता दें कि कोहली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के साथ दुबई में हैं।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शनिवार, 1 मार्च 2025

पेज 8

उच्च स्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए सीएम धामी।

होमस्टे, व महिला स्वयं सहायता समूहों के आय साधन बढ़ाने पर विशेष फोकस

निर्देश

■ स्थानिकों के हितों को समावेशित कर ही किया जाएगा कामः डीएम

■ धार्मिक और पर्यटन क्षेत्र हनोल के टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान को दिया जाएगा विस्तार

संवाददाता

देहरादून। जौनसार बावर क्षेत्र के हनोल में महासू देवता के धाम को सुनियोजित तरीके से विकसित किया जाएगा। इसके लिए आईएनआई डिजाइन कंपनी के माध्यम से टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान तैयार किया जा रहा है। माननीय मुख्यमंत्री के सुझावों एवं निर्देशों को जिलाधिकारी हनोल मंदिर के मास्टर प्लान में शामिल कर किया। है। जिलाधिकारी ने कहा कि पावन हनोल सिर्फ टूरिस्ट डेस्टिनेशन नहीं, हमारी आस्था संस्कृति का प्रतीत है इसकी शैली को सुरक्षित रखने तथा स्थानिकों के हितो को समावेशित करते हुए प्रभावी प्लान बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परिसर में पर्यटकों की बढ़ती आमद के दृष्टिगत वाटर सोर्स, सीवर, घाट निर्माण सड़क आदि समुचित आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए प्रॉपर प्लान तैयार किया जाए। डीएम यथाशीघ्र इसी माह मंदिर

परिसर में ही स्थानिकों व तीर्थ पुरोहितों के साथ विमर्श कर तय करेंगे कार्य प्रणाली।

जिलाधिकारी सविन बंसल ने कलेक्ट्रेट सभागार में आईएनआई डिजाइन कंसलटेंट और संबंधित विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए हनोल टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान के तहत प्रस्तावित कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि हनोल क्षेत्र में हर दिन बढ़ रही श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप सम्पूर्ण टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान तैयार किया जाए। ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अच्छी सुविधा और स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिक अवसर मिल सके।

जिलाधिकारी ने आईएनआई डिजाइन कंसलटेंट को निर्देशित किया कि हनोल के लिए प्रस्तावित टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान में सीवरेज और वाटर सप्लाई को भी शामिल किया जाए और फ्लोटिंग पॉपुलेशन (अस्थायी आबादी) का विस्तृत सर्वेक्षण करते हुए हनोल क्षेत्र के सुनियोजित विकास हेतु टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान बनाकर फिर से प्रस्तुत करें। जिलाधिकारी ने कहा कि हनोल तक आने जाने वाले सभी सहायक सड़क मार्गो का चौडीकरण और विस्तारीकरण को भी योजना में जोड़ा जाए। टोंस नदी किनारे घाट तक एप्रोच रोड़ रखी जाए।

जिलाधिकारी ने पर्यटन अधिकारी को निर्देशित किया कि हनोल क्षेत्र के गांवों को होम स्टे के रूप में विकसित किया जाए। स्थानीय लोगों को प्रोत्साहित करें और होम स्टे पंजीकरण के लिए स्पेशल कैंप लगाकर अधिक से अधिक लोगों को होम स्टे योजना से आच्छादित किया जाए। ताकि आने वाले समय में स्थानीय लोगों को अच्छा रोजगार मिल सके।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि हनोल क्षेत्र से जाने वाले केदार कांठा एवं अन्य ट्रैक मार्गो को भी प्राकृतिक रूप से विकसित किया जाए। बैठक में आईएनआई डिजाइन कंसलटेंट ने हनोल टूरिस्ट डेस्टिनेशन प्लान का प्रेजेंटेशन दिया गया। बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु महासू देवता धाम में एराइवल प्लाजा, तीर्थ पुरोहित आवास, मंदिर सौंदर्यीकरण, क्यू मैनेजमेंट, पार्किंग, एप्रोच मार्ग, धर्मशाला, पब्लिक यूटिलिटी कॉम्पलेक्स, रेन सेल्टर, आस्था पथ निर्माण आदि कार्य प्लान में शामिल किए गए है।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, उप जिलाधिकारी, आईएनआई डिजाइन कंपनी के कंसलटेंट धर्मेश गंगाडी, जिला पर्यटन विकास अधिकारी सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

महासू महाराज मंदिर परिसर का होगा विस्तार

जिलाधिकारी ने कहा कि महासू देवता धाम में निर्मित होने वाली दुकानों में से 50 प्रतिशत दुकानें स्थानीय लोगों महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए आरक्षित करने के निर्देश दिए है। ताकि स्थानीय उत्पादों के विक्रय हेतु स्वयं सहायता समूहों उचित विपणण स्थल मिल सके।

संक्षिप्त समाचार

छठवां राज्य वित्त आयोग ने पांच मार्च तक मांगे सुझाव

संवाददाता देहरादून। त्रिस्तरीय पंचायतों एवं स्थानीय निकायों के संबंध में संदर्भित विषयों पर संस्तुति करने के लिए गठित छठवां राज्य वित्त आयोग ने आम लोगों से भी सुझाव आमंत्रित किए हैं। आयोग के सचिव डॉ अहमद इकबाल, ने बताया कि कोई भी व्यक्ति पांच मार्च तक अपने लिखित सुझाव आयोग के पते पर डाक या ई मेल के जरिए भेज सकता है। पूर्व मुख्य सचिव एन रविशंकर की अध्यक्षता में गठित आयोग को मुख्य तौर पर त्रिस्तरीय पंचायतों एवं स्थानीय निकायों के वित्तीय प्रबंधन ओर आय के स्रोतों में सुधार, संगठनात्मक ढांचे के सरलीकरण पर अपने सुझाव सौंपने हैं।

सनातन संस्कृति में यज्ञों का रहा है विशिष्ट स्थानः मुख्यमंत्री

संवाददाता देहरादून। सनातन संस्कृति में यज्ञों का हमेशा से ही एक विशिष्ट स्थान रहा है, हमारे वेदों में यज्ञ को धर्म का मेरुदंड कहा गया है। ये देवताओं और मनुष्यों के बीच सेतु का कार्य करते हैं। ये न केवल हमारी आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करते हैं, बल्कि समाज को धार्मिक, सांस्कृतिक और नैतिक रूप से भी समृद्ध बनाते हैं। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिव मंदिर शंकरपुर सहसपुर में आयोजित 63वें भव्य कोटि लिंग रुद्र महायज्ञ में शामिल होकर कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे आयोजन हमारी सनातन परंपराओं की दिव्यता और भव्यता का जीवंत प्रमाण है।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की राजनैतिक दलों के साथ बैठक

संवाददाता देहरादून। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विजय कुमार जोगदण्डे ने शुक्रवार को सचिवालय में प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दलों के साथ सभी पोलिंग बूथ पर बीएलए नियुक्त करने के सम्बंध में बैठक की। अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डा. विजय कुमार जोगदण्डे ने बताया कि आयोग द्वारा मतदाता सूची की तैयारियों और संशोधन की प्रक्रिया में पारदर्शिता को बनाए रखने के उद्देश्य से मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के लिए सभी पोलिंग बूथ पर "बूथ लेवल एजेंट" (बीएलए) नियुक्त करने की सुविधा प्रदान की गई है।

लंबित सड़कों के निर्माण से संबंधित कार्यों को जल्द ही शुरू करें

समीक्षा

■कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रस्तावित सड़कों के संबंध में की समीक्षा बैठक

संवाददाता

देहरादून। विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने शुक्रवार को मसूरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत प्रस्तावित सड़कों के संबंध में समीक्षा बैठक की।

मंत्री ने कहा कि आज मसूरी विधान सभा क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी तथा पीएमजीएसवाई के अंतर्गत बनने वाली सड़कों की समीक्षा की गई है जिसमें कई सड़कों का शिलान्यास होने के बाद भी निर्माण

कार्य शुरू नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि बुरांशखण्डा से गढ़ मोटरमार्ग, चामासारी–लुहारीगढ़ मोटरमार्ग, मसराणा–मोटीधार लिंकमार्ग एवं छमरोली–डोमकोट, चामासारी–तल्याणीगाड़ आदि सड़कें वन विभाग में स्वीकृति हेतु लंबित हैं जिनमें से 03 मोटरमार्गों पर वन विभाग द्वारा आगामी 15 दिनों के भीतर स्वीकृति प्रदान की जायेगी तथा अन्य मार्गों पर भी जल्द ही वन विभाग द्वारा स्वीकृति दिये जाने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भिलाडू स्टेडियम के लिए स्वीकृत सड़क मार्ग पर भी आगामी 10 दिनों में वन विभाग की स्वीकृति मिल जायेगी। उन्होंने वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सड़क मार्गों की वन विभाग से जल्द से जल्द स्वीकृति प्राप्त करने के साथ ही निर्माण कार्यों में तेजी लाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक की प्रगति के संबंध में 05 अप्रैल 2025 को पुनः समीक्षा की जायेगी। उन्होंने कहा कि लंबित सड़कों के निर्माण से संबंधित कार्यों को जल्द ही शुरू किया जायेगा।

मंत्री ने अधिकारियों को किमाड़ी मोटरमार्ग के चौड़ीकरण करने हेतु भी निर्देशित किया। उन्होंने सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता को बनाये रखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर तारकोल से सड़कें बनाना संभव न हो वहां टाईल्स द्वारा सड़कों का निर्माण किया जाए। इस अवसर पर बैठक में पीसीसीएफ आरके मिश्र, एचओडी पीडब्ल्यूडी राजेश शर्मा तथा अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भारतीय सनातन संस्कृति है ज्ञान विज्ञान एवं आध्यात्म का अद्वितीय संगमः सीएम

संवाददाता देहरादून। भारतीय सनातन संस्कृति में ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म का अद्वितीय संगम देखने को मिलता है। हमारे ऋषि–मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व जिन सिद्धांतों की खोज की थी, वे आज वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित हो रहे हैं। यह बात मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान धाम झाझरा में आयोजित कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार विजेता, भारत रत्न स्वर्गीय डॉ. सी. वी. रमन को भावांजलि अर्पित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून देश की पांचवी साइंस सिटी बन रही है, जो उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य के लिए उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि साइंस सिटी हमारे राज्य को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के क्षेत्र में भी एक ग्लोबल डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने में अहम् भूमिका निभाएगी। राज्य सरकार द्वारा तकनीक और नवाचार के उपयोग से सरकारी सेवाओं को पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स से होगी 1300 चतुर्थ श्रेणी पदों पर भर्ती

संवाददाता देहरादून। स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्स से चतुर्थ श्रेणी के खाली 1300 पदों पर भर्ती होगी। स्वास्थ्य मंत्री डा. धन सिंह रावत ने जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू किए जाने को अफसरों को निर्देश दिए। यमुना कालोनी सरकारी आवास में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि अस्पतालों में लंबे समय से खाली चल रहे चतुर्थ श्रेणी के 1300 पदों पर जल्द भर्ती होगी। इसके लिये विभागीय अधिकारी सभी औपचारिकता पूरी कर आउटसोर्स के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालय:
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।